

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 7

अपराजिता

शिवानी (1923 -2003)

भाग – 3

अभ्यासमाला

कीर्ति बसुमतारी

अभ्यासमाला

(अ) सही विकल्प का चयन करो:

1. हम अपनी विपत्ति के लिए हमेशा दोषी ठहराते हैं।

(i) परिवार वालों को

(ii) अपने आप को

(iii) विधाता को

(iv) अपने दुश्मन को

2. लेखिका से मुलाकात के समय डॉ. चन्द्रा किस संस्थान के साथ जुड़ी हुई थी।

i. भारतीय विज्ञान संस्थान, मुंबई।

ii. आई. आई.टी., मद्रास।

iii. आई.आई.टी., खड़गपुर।

iv. भारतीय आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अपनी शानदार कोठी में उसे पहली बार कार से उतरते देखा, तो आश्चर्य से देखती ही रह गई'

लेखिका कार से उतरती डॉ. चन्द्रा को आश्चर्य से देखती ही रह गई क्योंकि-

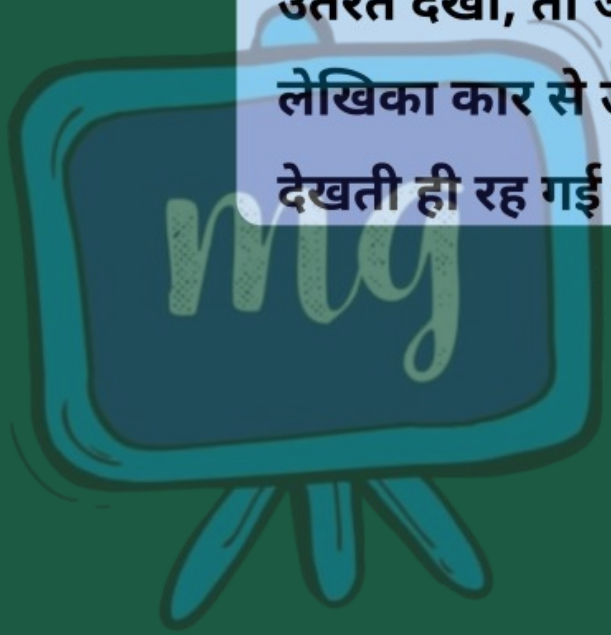

(i) लेखिका को वह कुछ जानी-पहचानी-सी लग रही थी।

(ii) डॉ. चन्द्रा बहुत ही प्रसिद्ध महिला थी और लेखिका ने अखबार में उसकी तस्वीरों देखी थी।

(iii) शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद डॉ. बिना किसी के सहारे कार से उतरकर व्हील चेयर में बैठी और कोठी के अन्दर चली गई।

(iv) अपने नयी पड़ोसिन के प्रति उसके मन में स्वाभाविक कौतूहल जन्मी थी।

4. 'मैंने इसी से एक ऐसी कार का नक्शा बनाकर दिया है, जिससे में अपने पैरों के निर्जीव अस्तित्व को भी सजीव बना दूंगी' डॉ. चन्द्रा ने नई कार की नक्शा बनायी थी क्योंकि-

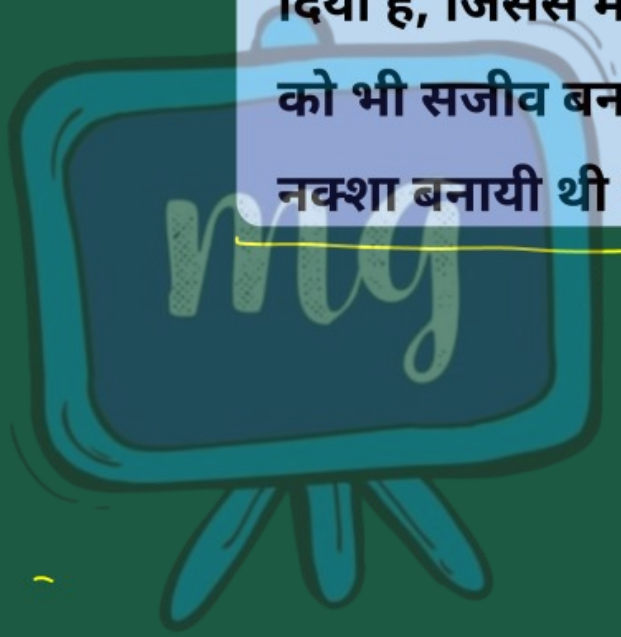

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(i) उस समय वे कुछ नया आविष्कार करना चाहती थीं जिससे उन्हें विज्ञान जगत में प्रतिष्ठा मिले।

(ii) डॉ. चन्द्रा चाहती थीं कि कोई उसे सामान्य-सा सहारा भी न दे और इसलिए वे ऐसी कार बनाना चाहती थीं जिसे वे स्वयं चला सकती

(iii) उन्होंने सोचा था कि उस नयी कार चलाने पर उनके पैर धीर-धीरे ठीक हो जाएँगे

(iv) उनकी कार माँ को चलानी पड़ती थी और वे माँ को कष्ट देना नहीं चाहती थी

5. डॉ. चन्द्रा के एलबम के अंतिम पृष्ठ पर एक चित्र था, जिसमें –

(i) वह डॉक्टरेट की उपाधि ले रही थी।

(ii) उनकी माँ जे.सी. बंगलौर द्वारा प्रदत्त' वीर जननी' पुरस्कार ग्रहण कर रही थी।

(iii) उनके परिवार के सभी सदस्य थे।

(iv) वह राष्ट्रपति से 'गर्ल गाइड' का पुरस्कार ले रही थी।

(आ) पूर्ण वाक्य में उत्तर दो:

1. हमें कब अपने जीवन की रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है?

(आ) पूर्ण वाक्य में उत्तर दो:

1. हमें कब अपने जीवन की रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है?

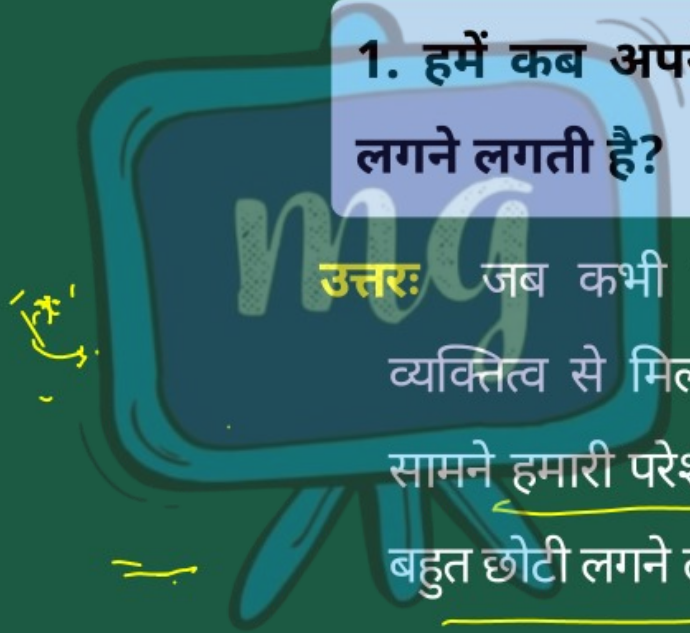

उत्तरः जब कभी विधाता हमें किसी ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसकी संघर्ष-कथा के सामने हमारी परेशानियाँ और अपनी रिक्तता दोनों ही बहुत छोटी लगने लगती हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. डॉ. चंद्रा के अध्ययन का विषय क्या था?



2. डॉ. चंद्रा के अध्ययन का विषय क्या था?

उत्तर : डॉ. चन्द्रा के अध्ययन का विषय माइक्रोबायोलॉजी था।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. लेखिका से डॉ. चन्द्रा ने हवाई के ईस्ट-वेस्ट सेंटर में क्या पूछने का अनुरोध किया था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. लेखिका से डॉ. चन्द्रा ने हवाई के ईस्ट-वेस्ट सेंटर में क्या पूछने का अनुरोध किया था?

उत्तर : डॉ. चन्द्रा ने लेखिका से अनुरोध किया था कि वे उनका बायोडाटा हवाई के ईस्ट-वेस्ट सेंटर भेजकर यह पता करें कि क्या उन्हें वहाँ किसी प्रकार की फेलोशिप प्राप्त हो सकती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. डॉ. चन्द्रा की स्कूली शिक्षा कहाँ तक हुई थी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. डॉ. चन्द्रा की स्कूली शिक्षा कहाँ तक हुई थी?

उत्तर : डॉ चन्द्रा की स्कूली शिक्षा बी.एस.सी तक हुई थी। उनकी स्कूली शिक्षा बंगलोर के माउंट कार्मेल कॉनवेंट स्कूल में हुई ।

5. डॉ. चन्द्रा ने किस संस्थान में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. डॉ. चन्द्रा ने किस संस्थान में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी?

उत्तर : डॉ. चन्द्रा ने इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की थी।

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

1. लेखिका ने जब डॉ. चन्द्रा को पहली बार कार से उत्तरते देखा तो उनके मन में कैसा भाव उत्पन्न हुआ था? अपने शब्दों में लिखो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

1. लेखिका ने जब डॉ. चन्द्रा को पहली बार कार से उत्तरते देखा तो उनके मन में कैसा भाव उत्पन्न हुआ था? अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर : उत्तर : डॉ. चंद्रा को पहली बार कार से उतरते देख लेखिका चकित रह गई। शारीरिक रूप से अक्षम होते हुए भी वे बैसाखियों के सहारे व्हीलचेयर तक पहुँचकर सहजता से कोठी में चली गईं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

यह देखकर लेखिका को लगा कि उनका धैर्य और इच्छाशक्ति सभी के लिए प्रेरणा है, विशेषकर उनके लिए जो छोटी कठिनाइयों में हार मान लेते हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. लेखिका यह क्यों चाहती है कि ‘लखनऊ का वह मेधावी युवक’ डॉ. चन्द्रा के संबंध में लिखी उनकी पंक्तियों को पढ़े?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. लेखिका यह क्यों चाहती है कि 'लखनऊ का वह मेधावी युवक' डॉ. चन्द्रा के संबंध में लिखी उनकी पंक्तियों को पढ़े?

उत्तर : लेखिका चाहती हैं कि लखनऊ का मेधावी युवक, चन्द्रा की जीवनगाथा ध्यान से पढ़े। शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद चन्द्रा ने निरंतर काम किया, उत्साह बनाए रखा और धैर्य, निष्ठा, इच्छाशक्ति व आत्मविश्वास से हर कठिनाई का सामना कर सफलता पाई। यह प्रेरणा युवकों के लिए महत्वपूर्ण है।

3. अभिशप्त काया' कहकर लेखिका डॉ. चन्द्रा की कौन-सी विशेषता स्पष्ट करना चाहती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अभिशप्त काया' कहकर लेखिका डॉ. चन्द्रा की कौन-सी विशेषता स्पष्ट करना चाहती है?

उत्तर : 'अभिशप्त काया का अर्थ अभिशाप ग्रस्त शरीर है। लोग अक्सर विकलांगता को विधाता का दंड मानकर उसे कोसते रहते हैं। पर कहानी की चंद्रा इससे अलग है। वह साहस, जिजीविषा, लगन और निष्ठा से भरी महिला है। उसने अपनी अपंगता को पीछे छोड़ मेहनत के बल पर सफलता हासिल की। लेखिका चंद्रा के माध्यम से दिखाना चाहती है कि दृढ इच्छाशक्ति से कोई भी व्यक्ति अपनी लक्ष्य को पा सकता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. डॉ. चन्द्रा की कविताएँ पढ़कर लेखिका की आँखें क्यों भर आईं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. डॉ. चन्द्रा की कविताएँ पढ़कर लेखिका की आँखें क्यों भर आईं?

उत्तर : डॉ. चंद्रा की कविताएँ पढ़कर लेखिका की आँखें इसलिए नम हो गई क्योंकि उन्होंने चंद्रा को हमेशा हँसमुख और साहसी रूप में ही देखा था। पर उसकी कविताओं में छिपी गहरी उदासी और दर्द ने लेखिका को चौंका दिया। मुस्कुराहट के पीछे छिपे उसके दुखों को समझकर लेखिका भावुक हो उठी।

5. शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. चन्द्रा की उपलब्धियों का उल्लेख करो।

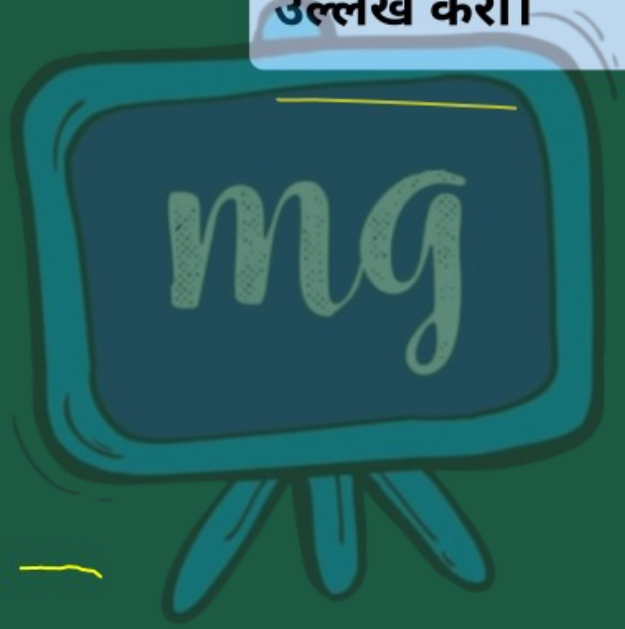

5. शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. चन्द्रा की उपलब्धियों का उल्लेख करो।

उत्तर : शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. चंद्रा ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की। शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद भी प्रत्येक परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर डॉ. चंद्रा ने स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने बी.एस.सी की, प्राणिशास्त्र में एम.एस.सी में प्रथम स्थान प्राप्त किया और बैंगलौर के प्रख्यात इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस में अपने लिए स्पेशल सीट अर्जित भी की।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पाँच वर्ष तक प्रोफेसर सेठना के निर्देशन में शोधकार्य कर माइक्रोबायोलॉजी में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की और जर्मन भाषा में चंद्रा और उसकी माता ने मैक्समूलर भवन से विशेष योग्यता सहित परीक्षा उत्तीर्ण की।

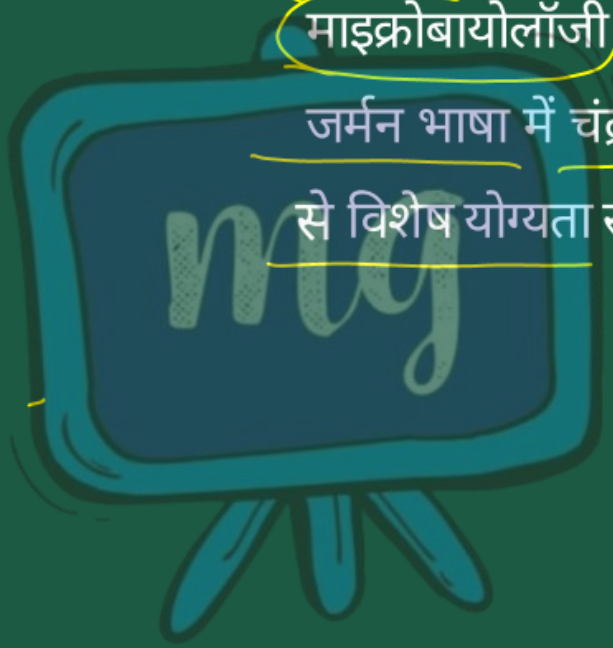

6. विज्ञान के अतिरिक्त और किन-किन विषयों में डॉ. चन्द्रा की रुचि थी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

6. विज्ञान के अतिरिक्त और किन-किन विषयों में डॉ. चन्द्रा की रुचि थी?

उत्तर : विज्ञान के अतिरिक्त डॉ. चंद्रा को कविता लेखन, भारतीय और पाश्चात्य संगीत, कढ़ाई-बुनाई में भी विशेष रुचि थी। उन्होंने गर्ल गाइड में भाग लिया और राष्ट्रपति का स्वर्ण कार्ड पाने वाली पहली अपंग महिला बनीं।

7. डॉ. चन्द्रा की माता कहाँ तक 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार है? अपना विचार स्पष्ट करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

7. डॉ. चन्द्रा की माता कहाँ तक 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार है? अपना विचार स्पष्ट करो।

उत्तर : डॉ. चंद्रा की माता वास्तव में 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार हैं। उन्होंने हर कठिनाई में चंद्रा का साथ दिया और उसे विश्वास दिलाया कि वह कुछ भी हासिल कर सकती है। मां ने अपना जीवन पूरी तरह चंद्रा के लिए समर्पित कर दिया। स्कूली शिक्षा से डॉक्टरेट तक हर कदम पर मां उसकी छाया बनकर साथ रही।

चंद्रा की सफलता के पीछे मां का बलिदान ही मुख्य कारण है। यदि मां नहीं होतीं, तो शायद चंद्रा इस ऊँचाई तक नहीं पहुँच पाती। इसलिए उनकी माता इस पुरस्कार की योग्य हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

8. 'चिकित्सा ने जो खोया है वह विज्ञान ने पाया यह किसने और क्यों कहा था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

8. 'चिकित्सा ने जो खोया है वह विज्ञान ने पाया यह किसने और क्यों कहा था?

उत्तर : यह बात डॉ. चंद्रा के प्रोफेसर ने कहा क्योंकि डॉ. चंद्रा डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन शारीरिक अपंगता के कारण, परीक्षा में प्रथम स्थान होने के बावजूद उन्हें मेडिकल में प्रवेश नहीं मिला। इस अवसर के न मिलने पर उन्होंने विज्ञान को अपनाया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राणिशास्त्र में एम.एस.सी की, बंगलौर के 'इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से माइक्रोबायोलॉजी में पी.एच.डी. की और विज्ञान के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। इस कारण प्रोफेसर ने कहा कि चिकित्सा ने चंद्रा की प्रतिभा को खोया और विज्ञान ने उसे पाया।

